POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A. III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. college, Tajpur,
Samastipur

3. विषय-वस्तु पद्धति

यह पद्धति लोक प्रशासन के विशेष सेवाओं अथवा उसके कार्यक्रमों के अध्ययन पर बल देती है। जैसे :- शिक्षा, प्रतिरक्षा, पुलिस, राजस्व आदि। इंग्लैंड और भारत में इस पद्धति का प्रयोग इन विशेष सेवाओं के अध्ययन के लिए काफी समय से किया जाता रहा है। इस पद्धति के तहत लोक प्रशासन की समस्याओं पर आंगिक दृष्टि से विचार किया जाता है।

4. वैज्ञानिक प्रबन्ध

लोक प्रशासन के सम्बन्ध में वैज्ञानिक प्रबन्ध पद्धति के द्वारा पर्यवेक्षण, प्रयोग, विश्लेषण, मूल्यांकन आदि को अपनाकर कुछ सामान्य सिद्धांतों का निरूपण किया जाता है। लोक प्रशासन के क्षेत्र में इस पद्धति को लोकप्रिय बनाने का श्रेय फ्रेडरिक टेलर को है। टेलर के अनुसार निजी उद्योग क्षेत्र और लोक प्रशासन क्षेत्र में कार्यकुशलता सम्बंधी समस्याएँ एक-सी है। अतः काम के समान सर्वोत्तम तरीके खोजे जा सकते है।

इसप्रकार प्रत्येक प्रकार के कार्यक्रम के प्रबंध के लिए सर्वोत्तम सिद्धांत अथवा मार्ग वैज्ञानिक आधार पर खोजे जा सकते है।